UNIVERSITY NEWS 10 SEPTEMBER 2026

AMAR UJALA

महिलाओं के स्वास्थ्य प्रबंधन पर होगा सेमिनार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में महिलाओं के स्वास्थ्य प्रबंधन में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की भूमिका पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन 30 नवंबर को किया जाएगा। विवि के योग विभाग, फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन, इंडियन योग फेडरेशन, यूपी नेचुरोपैथी एंड योग टीचर्स एंड फिजिशियन एसोसिएशन और वेस्ट केयर एंड रिसर्च सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले सेमिनार के पोस्टर और ब्रोशर का विमोचन कुलपति प्रो. जयप्रकाश सैनी ने बुधवार को किया।

फैकल्टी के समन्वयक डॉ. अमरजीत यादव ने बताया कि महिला स्वास्थ्य पर यह 22वां सेमिनार होगा। इसमें पांच वैज्ञानिक सत्र होंगे। विशेषज्ञ महिलाओं से जुड़ी विभिन्न बीमारियों के प्रबंधन में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की भूमिका पर चर्चा करेंगे। योगासनों का वैज्ञानिक प्रदर्शन भी किया जाएगा। क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विशेषज्ञों को सम्मानित किया जाएगा। महिलाओं के लिए निशुल्क स्वास्थ्य परामर्श की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

AMAR UJALA

एनआईआरएफ वाले विभाग व कॉलेज 70% तक पाठ्यक्रम बदल सकेंगे

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विभागों, संस्थानों और संबद्ध महाविद्यालयों को अधिक अकादमिक स्वतंत्रता देने की योजना मंजूर की है। एनआईआरएफ रैंकिंग-लिंक्ड एकेडमिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस योजना के तहत पात्र विभाग और कॉलेज अपने उत्कृष्टता क्षेत्र से जुड़े विवि के निर्धारित पाठ्यक्रम में 70 फीसदी तक संशोधन कर सकेंगे।

लविवि की एकेडमिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस योजना को मंजूरी

योजना के तहत उत्कृष्टता केंद्रों को पारंपरिक परीक्षा प्रणाली के अलावा ओपन बुक परीक्षा, केस आधारित मूल्यांकन, कैपस्टोन प्रोजेक्ट, उद्योग आधारित मूल्यांकन, सतत आंतरिक मूल्यांकन और कौशल आधारित परीक्षण अपनाने की सुविधा होगी।

कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने बताया कि प्रत्येक उत्कृष्टता केंद्र में अकादमिक सलाहकार एवं निगरानी समिति गठित की जाएगी। इसमें संस्थान प्रमुख, शिक्षक, बाहरी विषय विशेषज्ञ, उद्योग प्रतिनिधि, प्रख्यात पूर्व छात्र और कुलपति की ओर से नामित दो विशेषज्ञ शामिल होंगे। हालांकि न्यूनतम शैक्षणिक मानक, डिग्री की अनिवार्यता, क्रेडिट ढांचा, प्रवेश नियम और परीक्षा की शुचिता पर विवि का नियंत्रण बना रहेगा। कुलपति के अनुसार, योजना से विभागों और संबद्ध कॉलेजों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। इससे विद्यार्थियों को वैश्विक उद्योग की जरूरतों के अनुरूप तैयार करने में मदद मिलेगी।

रैंकिंग में प्रदर्शन नहीं गिरा तो वापस होगी सुविधा : कुलपति ने बताया यह अकादमिक स्वायत्तता स्थायी नहीं होगी। योजना में नियमित समीक्षा का प्रावधान है। निर्धारित पात्रता बनाए रखने में विफल रहने वाले विभाग या कॉलेज से उत्कृष्टता केंद्र का दर्जा और उससे जुड़ी सुविधाएं वापस ली जा सकेंगी।

एक भी कॉलेज के पास नहीं है एनआईआरएफ रैंकिंग

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि और प्रबंधन विभाग के पास ही फिलहाल अभी तक एनआईआरएफ की रैंकिंग है। दूसरी ओर लखनऊ विवि से संबद्ध किसी भी कॉलेज के पास एनआईआरएफ रैंकिंग नहीं है। लविवि की रैंकिंग सेल डायरेक्टर प्रो. गीतांजलि ने बताया कि इस बार विवि से संबद्ध सभी 33 राजकीय और एडेड कॉलेजों ने रैंकिंग के लिए आवेदन किया है।

AMAR UJALA

प्रो. सुरेश बने कंप्यूटर विज्ञान विभाग के अध्यक्ष

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने प्रो. सुरेश प्रसाद कनौजिया को कंप्यूटर विज्ञान विभाग का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति 8 सितंबर 2026 से प्रभावी होगी। कुलपति के अनुमोदन के बाद कुलसचिव भावना मिश्रा ने इस संबंध में कार्यालय आदेश जारी किया है। कनौजिया अपने अन्य दायित्वों के साथ विभागाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालेंगे। यह व्यवस्था तीन वर्ष की अवधि के लिए रहेगी। यह व्यवस्था अधिवर्षिता आयु प्राप्त करने या अन्य कोई आदेश होने तक प्रभावी रहेगी। कनौजिया वर्तमान में कंप्यूटर विज्ञान विभाग में प्रोफेसर हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

फार्मेसी के छात्रों के नए बैच का दीक्षारंभ

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज ने सत्र 2026-27 के नए छात्रों के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें डीफार्मा, बीफार्मा, एमफार्मा और एमबीए (फार्मास्युटिकल मैनेजमेंट) पाठ्यक्रमों के छात्र शामिल हुए। भारत के विभिन्न राज्यों के साथ सूडान, तुर्कमेनिस्तान, बांग्लादेश, सीरिया और नामीबिया से 20 अंतरराष्ट्रीय छात्र भी उपस्थित रहे। इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी संकाय के डीन प्रो. एसपी सिंह और इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज के निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि विवि का हिस्सा होना केवल डिग्री लेना नहीं, बल्कि एक समृद्ध संस्थान का हिस्सा बनना है। असिस्टेंट प्रॉक्टर डॉ. प्रनेश कुमार ने अनुशासन, नवाचार और निरंतर सीखने के महत्व पर जोर दिया। असिस्टेंट डीएसडब्ल्यू डॉ. रोहित सिंह और डॉ. राम सेथलू, डॉ. ऋजु कृष्णा मिश्रा भी मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

AMAR UJALA

प्रश्नशीलता ही ज्ञान विस्तार की पहली सीढ़ी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग ने बुधवार को जिज्ञासा यज्ञ कार्यक्रम आयोजित किया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रश्न पूछने और जिज्ञासा को शोध व नवाचार से जोड़ने की संस्कृति विकसित करना था। संकायाध्यक्ष श्रवण कुमार ने कहा कि प्रश्नशीलता ज्ञान विस्तार की पहली सीढ़ी है। उन्होंने विद्यार्थियों को जिज्ञासु दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया।

विभाग की समन्वयक अपर्णा गोडबोले ने कहा कि हर खोज की शुरुआत एक प्रश्न से होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी जिज्ञासाओं को शोध की दिशा में बढ़ाने का आह्वान किया। चीफ प्रोवोस्ट आशीष अवस्थी ने कहा कि जिज्ञासु विद्यार्थी नए विचारों के वाहक बनते हैं। अतिरिक्त प्रोवोस्ट महेंद्र अग्निहोत्री और कार्यक्रम समन्वयक हेमेंद्र कुमार सिंह ने जिज्ञासा को शोध से जोड़ने का संदेश दिया।

शोध व नवाचार को बढ़ावा देने के लिए लविवि में जिज्ञासा यज्ञ का आयोजन

जिज्ञासा की शक्ति विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। इसके जरिये प्रश्न पूछने को सीखने की शक्ति बताया गया। शिक्षाशास्त्र विभाग की प्रो. तृप्ता त्रिवेदी, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. मुनेश कुमार, प्रो. किरण लता डंगवाल, प्रो. आकांक्षा सिंह, डॉ. नीतू सिंह, डॉ. सूर्य नारायण गुप्ता, डॉ. देवेंद्र कुमार यादव, डॉ. सुमित गंगवार, डॉ. संजय सिंह यादव और डॉ. पूनम श्रीवास्तव ने सक्रिय सहभागिता निभाई। शोधार्थियों और विद्यार्थियों में गिरजेश पासवान, अभिषेक श्रीवास्तव बाबू, प्रज्ञा सिंह, श्रेया कटियार और शिखा शुक्ला आदि मौजूद रहीं। (माई सिटी रिपोर्टर)

DAINIK JAGRAN

फार्मेसी संस्थान में नए छात्रों का दीक्षारंभ

लखनऊ : लवि के इंस्टीट्यूट आफ फार्मास्युटिकल साइंसेज में बुधवार को सत्र 2026-27 के नए विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन-सह-ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें डी.फार्मा, बी.फार्मा, एम.फार्मा और एमबीए (फार्मास्युटिकल मैनेजमेंट) के विद्यार्थी शामिल हुए। कुलपति प्रो. जेपी सैनी, डीन प्रो. एसपी सिंह और निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने छात्रों को शैक्षणिक मूल्यों व जिम्मेदारियों से अवगत कराया। डा. प्रनेश कुमार ने अनुशासन, नवाचार और निरंतर सीखने, डा. रोहित सिंह ने छात्रवृत्ति, सांस्कृतिक गतिविधियों और छात्र सुविधाओं की जानकारी दी। डा. राम सेथलू व डा. ऋजु कृष्णा मिश्रा ने अपनी बात रखी। वि.

एनआइआरएफ रैंकिंग वाले विभागों को 70 फीसदी तक पाठ्यक्रम बदलने की छूट

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए 'एनआइआरएफ रैंकिंग-लिंक्ड एकेडमिक सेंटर आफ एक्सीलेंस' योजना शुरू करने का प्रस्ताव तैयार किया है। इसके तहत एनआइआरएफ रैंकिंग या मान्यता प्राप्त रैंकिंग बैंड में स्थान पाने वाले विभाग, संस्थान, संकाय और संबद्ध महाविद्यालय 'एकेडमिक सेंटर आफ एक्सीलेंस' बनने के पात्र होंगे।

योजना के तहत चयनित संस्थानों को अपने उत्कृष्टता क्षेत्र में विश्वविद्यालय के निर्धारित पाठ्यक्रम में 70 प्रतिशत तक संशोधन करने की छूट मिलेगी। वे नए अंतर्विषयक पाठ्यक्रम, अग्रणी संस्थानों के साथ संयुक्त कार्यक्रम तथा प्रयोगात्मक पीजी और डाक्टोरल कार्यक्रम भी शुरू कर सकेंगे। परीक्षा व्यवस्था में भी बदलाव की अनुमति होगी। इसके तहत ओपन-बुक परीक्षा, केस आधारित मूल्यांकन, कैपस्टोन प्रोजेक्ट, उद्योग आधारित मूल्यांकन, सतत आंतरिक मूल्यांकन और कौशल आधारित परीक्षण अपनाए जा सकेंगे।

कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर सिद्ध प्रदर्शन को अकादमिक स्वतंत्रता और संस्थागत विश्वास से पुरस्कृत करना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। योजना की मान्यता प्रदर्शन आधारित और समयबद्ध समीक्षा के अधीन होगी। आगामी एनआईआरएफ चक्र में पात्रता कायम नहीं रहने पर मान्यता वापस ली जा सकेगी। (वि.)

'विद्यार्थी करें ज्ञान के नए आयामों की खोज'

जासं • लखनऊ : लवि के शिक्षा शास्त्र संकाय के अध्यक्ष प्रो. श्रवण कुमार ने कहा कि प्रश्नशीलता ही ज्ञान-विस्तार की पहली सीढ़ी है। विद्यार्थियों को जिज्ञासु बनना चाहिए। अपना दृष्टिकोण विकसित करने के साथ ही ज्ञान के नए आयामों की खोज करनी चाहिए। प्रो. कुमार बुधवार को शिक्षाशास्त्र विभाग की ओर से परिसर में आयोजित 'जिज्ञासा यज्ञ' कार्यक्रम में बोल रहे थे। विभाग की समन्वयक प्रो. अपर्णा गोडबोले ने कहा कि हर खोज की शुरुआत एक प्रश्न से होती है। इसलिए अपनी जिज्ञासाओं को शोध एवं नवाचार की दिशा में आगे बढ़ाएं। चीफ प्रोवोस्ट प्रो. आशीष अवस्थी, अतिरिक्त प्रोवोस्ट प्रो. महेंद्र अग्निहोत्री, चीफ प्राक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी व छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष प्रो. अमिता कन्नौजिया ने भी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

DAINIK JAGRAN

योग व प्राकृतिक चिकित्सा पर सेमिनार 30 नवंबर को

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग की ओर से 30 नवंबर को महिलाओं के स्वास्थ्य प्रबंधन में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की भूमिका पर राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया जाएगा। बुधवार को सेमिनार के पोस्टर और ब्रोशर का विमोचन कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने किया। कोआर्डिनेटर डा. अमरजीत यादव ने बताया कि सेमिनार में पांच वैज्ञानिक सत्र, योगासनों का वैज्ञानिक प्रदर्शन और विशेषज्ञों का सम्मान होगा। वि.

AMRIT VICHAR

अगले माह से छात्राओं को मिलेगी स्कूटी

अमृत विचार, लखनऊ: रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना के तहत अगले माह से लखनऊ विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालय की छात्राओं को स्कूटी मिलेगी। जिसके लिए आधार वेरिफिकेशन और प्रदेश के मूल निवास प्रमाण पत्र नहीं होने पर छात्राएं स्कूटी से वंचित रह जाएंगी। विश्वविद्यालय में स्नातक की पढ़ाई कर रही बेटियों को राज्य सरकार अक्टूबर-नवंबर से स्कूटी देना प्रारंभ कर देगी। लखनऊ विश्वविद्यालय में जिन छात्राओं ने अभी तक अपना आधार वेरिफिकेशन नहीं कराया है, उनके लिए वेरिफिकेशन अनिवार्य किया गया है। जिसके लिए आधार कार्ड, फाइनल ईयर मार्कशीट, आय प्रमाण पत्र, उत्तर प्रदेश का मूल निवास प्रमाण पत्र और अपार आईडी एबीसी होना अनिवार्य है।

NBT

NIRF रैंकिंग वाले कॉलेज बनेंगे 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय (LU) से संबद्ध जिन कॉलेजों, विभागों या संस्थानों के पास राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF) की रैंकिंग होगी, उन्हें एलयू प्रशासन 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' का दर्जा देगा। इस दर्जे के साथ कॉलेजों को अकैडमिक स्वायत्तता (ऑटोनॉमी) मिलेगी, जिसके तहत वे इंटरनल परीक्षाओं के आयोजन और पढ़ाई के तौर-तरीकों में जरूरी बदलाव खुद कर सकेंगे।

LU देगा अकैडमिक स्वायत्तता, विभागों और संस्थानों को भी मिलेगा मौका

यूजीसी की गाइडलाइंस के तहत यह मान्यता दी जाएगी। रैंकिंग हासिल करने वाले कॉलेज, विभाग या संस्थान इसके लिए सीधे आवेदन कर सकेंगे। हालांकि, यह व्यवस्था स्थायी नहीं होगी। निर्धारित अवधि के लिए ही सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाया जाएगा और समय-समय पर इसकी समीक्षा होगी। रैंकिंग और गुणवत्ता बरकरार रहने पर ही इस दर्जे की मियाद आगे बढ़ाई जाएगी। एलयू के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने बताया कि इस कदम से संबद्ध कॉलेजों और विवि के विभागों में रैंकिंग को लेकर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा शुरू होगी। इससे छात्रों को दाखिले के लिए सही कॉलेज चुनने में आसानी होगी, क्योंकि यह दर्जा सीधे तौर पर संस्थान की गुणवत्ता को प्रमाणित करेगा।

इसलिए पड़ी जरूरत

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

एलयू ने कॉलेजों की बात तो दूर, मौजूदा समय में विवि के खुद के सिर्फ दो विभागों-विधि और प्रबंधन के पास ही NIRF रैंकिंग है। बाकी विभाग रैंकिंग के लिए आवेदन करने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। वहीं, कॉलेजों के पास अभी पर्याप्त इंफ्रास्ट्रक्चर की भी कमी है। ऐसे में विवि ने विभागों और कॉलेजों को रैंकिंग की दौड़ में आगे लाने और इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने के लिए यह प्रोत्साहन योजना शुरू की है।

कॉरपोरेट वाली अंग्रेजी सीखेंगे छात्र

■NBT रिपोर्ट, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में अब हिंदी मीडियम के छात्रों को भी कॉर्पोरेट की जॉब के लिए तैयार किया जाएगा। इसके लिए मैनेजमेंट की पढ़ाई के साथ अब उनकी कम्युनिकेशन स्किल पर भी काम किया जाएगा। इसके लिए विवि की ओर से अब नया प्रोग्राम शुरू किया गया है। इसके तहत मैनेजमेंट के ऐसे छात्र जिनकी इंग्लिश या कम्युनिकेशन स्किल बेहतर नहीं है, उन्हें यह ट्रेनिंग दी जाएगी। खास बात ये है कि यह ट्रेनिंग बेसिक ग्रामर की जगह मैनेजमेंट व कॉरपोरेट में प्रयोग होने वाली अंग्रेजी पर आधारित होगी। छात्रों को इंग्लिश में बात करना सिखाया जाएगा।

I NEXT

'स्टूडेंट्स अब करें ज्ञान के नए आयामों की खोज'

शिक्षाशास्त्र विभाग की ओर से कार्यक्रम का आयोजन

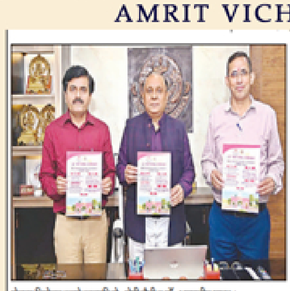

LUCKNOW (9 SEP): लखनऊ यूनिवर्सिटी के शिक्षा शास्त्र संकाय के अध्यक्ष प्रो. श्रवण कुमार ने कहा कि प्रश्नशीलता ही ज्ञान-विस्तार की पहली सीढ़ी है, विद्यार्थियों को अपना दृष्टिकोण विकसित करने के साथ ही ज्ञान के नए आयामों की खोज करनी चाहिए, प्रो. कुमार बुधवार को शिक्षाशास्त्र विभाग की ओर से परिसर में आयोजित "जिज्ञासा यज्ञ" कार्यक्रम में बोल रहे थे. विभाग की समन्वयक प्रो. अपर्णा गोडबोले ने कहा कि हर खोज की शुरुआत एक प्रश्न से होती है.

AMRIT VICHAR

एनआईआरएफ रैंकिंग से जुड़ेगा 'एकेडमिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस'

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध, नवाचार और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए एनआईआरएफ रैंकिंग से जुड़ी स्कीम शुरू करने का प्रस्ताव तैयार किया है। इसके तहत राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क में स्थान या मान्यता प्राप्त रैंकिंग बैंड हासिल करने वाले विभागों, संस्थानों, संकायों और संबद्ध महाविद्यालयों को विशेष अकादमिक स्वायत्तता प्रदान की जाएगी।

योजना के तहत पात्र 'एकेडमिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' अपने विषय-विशिष्ट क्षेत्र में विश्वविद्यालय के निर्धारित पाठ्यक्रम में 70 प्रतिशत तक संशोधन कर सकेंगे। इसके अलावा नए अंतःविषयक कार्यक्रम, संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रम तथा उभरते क्षेत्रों में विशिष्ट पीजी और डॉक्टोरल पाठ्यक्रम विकसित करने की सुविधा भी मिलेगी।

- बेहतर प्रदर्शन करने वाले महाविद्यालयों को मिलेगी स्वायत्तता
- आंतरिक मूल्यांकन और कौशल आधारित परीक्षण अपनाने की स्वतंत्रता होगी

इन केंद्रों को पारंपरिक परीक्षा प्रणाली से आगे बढ़कर ओपन-बुक परीक्षा, केस-आधारित मूल्यांकन, कैपस्टोन प्रोजेक्ट, उद्योग-संबद्ध मूल्यांकन, सतत आंतरिक मूल्यांकन और कौशल-आधारित परीक्षण अपनाने की स्वतंत्रता होगी।

बाहरी विषय विशेषज्ञों को परीक्षक के रूप में आमंत्रित करने और विषय-विशिष्ट प्रश्न बैंक तैयार करने की भी अनुमति होगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित उत्कृष्टता को अकादमिक स्वतंत्रता और संस्थागत विश्वास से पुरस्कृत किया जाना चाहिए।

सलाहकार व निगरानी समिति करेगी मूल्यांकन

■ योजना के तहत प्रत्येक केंद्र में अकादमिक सलाहकार एवं निगरानी समिति गठित होगी। हालांकि पाठ्यक्रम में व्यापक स्वतंत्रता के बावजूद न्यूनतम शैक्षणिक मानक, डिग्री की अनिवार्यता, क्रेडिट व्यवस्था, प्रवेश नियम और परीक्षा की शुचिता पर विश्वविद्यालय का नियंत्रण कायम रहेगा। प्रदर्शन में गिरावट सामने होने पर मान्यता की समीक्षा या वापसी भी की जा सकेगी।

I NEXT

30 नवंबर को प्राकृतिक चिकित्सा पर सेमिनार

LUCKNOW: एलयू के योग विभाग की ओर से 30 नवंबर को महिलाओं के स्वास्थ्य प्रबंधन में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की भूमिका पर राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया जाएगा. बुधवार को सेमिनार के पोस्टर और ब्रोशर का विमोचन वीसी प्रो. जेपी सैनी ने किया. कोऑर्डिनेटर डा. अमरजीत यादव ने बताया कि सेमिनार में पांच वैज्ञानिक सत्र, योगासनों का वैज्ञानिक प्रदर्शन और विशेषज्ञों का सम्मान होगा.

AMRIT VICHAR

पोस्टर विमोचन करते कुलपति प्रो. जेपी सैनी व डॉ. अमरजीत यादव।

महिलाओं के लिए होगा योग सेमिनार

अमृत विचार, लखनऊ: लविवि के योग विभाग, इंडियन योग फेडरेशन, यूपी नेचुरोपैथी एंड वेस्ट केयर एंड रिसर्च सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में महिलाओं के स्वास्थ्य प्रबंधन में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की भूमिका विषयक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन 30 नवंबर को किया जाएगा। सेमिनार के पोस्टर एवं ब्रोशर का विमोचन कुलपति प्रो. जयप्रकाश सैनी के द्वारा किया गया। संकाय के कोऑर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव ने इसकी जानकारी दी।

AMRIT VICHAR

जिज्ञासा जगाएं, प्रश्न पूछें और प्रश्नों को शोध तक पहुंचाएं

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग में 'जिज्ञासा यज्ञ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिज्ञासा जगाएं, प्रश्न पूछें और प्रश्नों को शोध तक पहुंचाएं रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में निर्भीक होकर प्रश्न पूछने, जिज्ञासा को प्रोत्साहित करने तथा उसे शोध एवं नवाचार से जोड़ने की संस्कृति विकसित करना था। इसके लिए नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया साथ ही मानसिक प्रदूषण को दूर करने के लिए सभी छात्रों ने धूप बत्ती जला के सभी सभी कक्षाओं को सुगंधित करने का प्रयास किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संकायाध्यक्ष प्रो. श्रवण कुमार ने की। चीफ प्रोवोस्ट प्रो. आशीष अवस्थी, अतिरिक्त प्रोवोस्ट प्रो. महेन्द्र अग्निहोत्री, चीफ प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी व छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष प्रो. अमिता कन्नौजिया ने जिज्ञासा, प्रश्नशीलता, तार्किक चिंतन और नवाचार को विद्यार्थियों के विकास तथा शोध संस्कृति के लिए महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. सुमित गंगवार एवं डॉ. हेमेन्द्र कुमार सिंह ने जिज्ञासा को शोध से जोड़ने का संदेश दिया।

जिज्ञासा यज्ञ में प्रतिभागी छात्र-छात्राएं। • अमृत विचार

- जिज्ञासा से शोध और नवाचार की ओर बढ़ने का विद्यार्थियों को मिला संदेश

यह रहे मौजूद : शिक्षाशास्त्र विभाग के प्रो. तृप्ता त्रिवेदी, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. अपर्णा गोडबोले, प्रो. मुनेश कुमार, प्रो. किरण लता डंगवाल, प्रो. आकांक्षा सिंह, डॉ. नीतू सिंह, डॉ. सूर्य नारायण गुप्ता, डॉ. देवेंद्र कुमार यादव, डॉ. सुमित गंगवार, डॉ. संजय सिंह यादव एवं डॉ. पूनम श्रीवास्तव ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

इन विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

■ गिरजेश, अभिषेक श्रीवास्तव, प्रज्ञा सिंह, श्रेया, शिखा शुक्ला, शिवानी पांडे, निदा, अनुराग कृति, सिद्धी चौरसिया, आयुषी यादव, प्रगति, सौरभ, सिमरन, अनामिका यादव, रागिनी, राखी, जागृति, अनुकृति, प्रियंका जोशी, स्मिता, रमन, राज गुप्ता, प्रदीप वर्मा, अनुभूति, सुरभि, मधुरी कन्नौजिया, सलोनी, वैशाली भट्ट, निहारिका, शिवम, अनमोल शुक्ला, इमरान, संदीप दास, ज्योत्सना, खुशबू पाल, आयुषी, आस्था यादव, सर्वा सहित सैकड़ों छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

HINDUSTAN

एक्सीलेंस योजना से बढ़ेगा शोध-नवाचार

एलयू

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध, नवाचार और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग से जुड़ी एकेडमिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस योजना शुरू करने का प्रस्ताव तैयार किया है। इस योजना के तहत राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग की संबंधित सूची या मान्यता प्राप्त रैंकिंग बैंड में स्थान बनाने वाले विभाग, संकाय, संस्थान अथवा संबद्ध महाविद्यालय एकेडमिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में मान्यता पाने के पात्र होंगे।

योजना के अंतर्गत पात्र केंद्रों को अपने उत्कृष्टता क्षेत्र में पाठ्यक्रम में 70 प्रतिशत तक संशोधन करने, नए अंतर्विषयक कार्यक्रम विकसित करने तथा अग्रणी संस्थानों के साथ संयुक्त कार्यक्रम संचालित करने की शैक्षणिक स्वतंत्रता दी जाएगी।

कुलपति प्रोफेसर जय प्रकाश सैनी ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर सिद्ध प्रदर्शन को शैक्षणिक स्वतंत्रता और संस्थागत विश्वास से पुरस्कृत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह योजना विश्वविद्यालय में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, गुणवत्ता और नवाचार को बढ़ावा देगी।

नए बैच का स्वागत

लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज में सत्र नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत के लिए दीक्षारंभ और अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डी फार्मा, बी फार्मा, एम फार्मा और फार्मास्युटिकल प्रबंधन में एमबीए विद्यार्थियों ने भाग लिया।

जिज्ञासा यज्ञ का आयोजन

लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग में बुधवार को जिज्ञासा यज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में निर्भीक होकर प्रश्न पूछने, जिज्ञासा विकसित करने तथा उसे शोध और नवाचार से जोड़ने को बढ़ावा देना था। अध्यक्षता संकायाध्यक्ष प्रोफेसर श्रवण कुमार ने की।

एलयू कंप्यूटर विज्ञान विभागाध्यक्ष बने प्रो. सुरेश

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने कंप्यूटर विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष की जिम्मेदारी प्रोफेसर सुरेश प्रसाद कन्नौजिया को सौंप दी है। विश्वविद्यालय के कुलपति के अनुमोदन के बाद इस संबंध मे कार्यालय आदेश जारी किया गया है। आदेश के अनुसार प्रोफेसर सुरेश प्रसाद कन्नौजिया, प्रोफेसर, कंप्यूटर विज्ञान विभाग को अपने अन्य दायित्वों के साथ कंप्यूटर विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष के दायित्वों का निर्वहन करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

UNIVERSITY NEWS 10 SEPTEMBER 2026

TIMES OF INDIA

LU students urged to awaken curiosity, ask questions, innovate

Mohita Tewari
timesofindia.com

Lucknow: Asking questions, exploring them through evidence and converting curiosity into new knowledge was the message for students at Lucknow University, where the education department organised a 'Jigyasa Yagya' on Wednesday to promote a culture of questioning, research and innovation.

Lucknow University's 'Jigyasa Yagya' on Wednesday promoted a culture of questioning, research and innovation

The event revolved around the theme "Awaken curiosity, ask questions, take questions towards research" and encouraged students to freely raise questions and develop a research-oriented approach.

Dean of the faculty Prof Shravan Kumar, who presided over the programme, said questioning is the first step towards expanding knowledge and urged students to develop a curious outlook to explore new dimensions of knowledge.

He said every discovery begins with a question and encouraged students to take their curiosities forward towards research and innovation.

Dean students' welfare Prof Amita Kanaujia said, "Curiosity plays an important role in students' personality development and appreciated such initiatives for promoting their overall growth.

AAJ

जिज्ञासा से शोध और नवाचार की ओर बढ़ें विद्यार्थी

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग में बुधवार को 'जिज्ञासा यज्ञ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मूल मंत्र «जिज्ञासा जगाएं, प्रश्न पूछें और प्रश्नों को शोध तक पहुँचाएं» रहा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में निर्भीक होकर प्रश्न पूछने, जिज्ञासा को प्रोत्साहित करने तथा उसे शोध एवं नवाचार से जोड़ने की संस्कृति विकसित करना था।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संकायाध्यक्ष प्रो अरुण कुमार ने कहा कि प्रश्नशीलता ज्ञान-विस्तार की पहली सीढ़ी है। विद्यार्थियों को जिज्ञासु दृष्टिकोण विकसित कर प्रश्नों के माध्यम से ज्ञान के नए आयाम तलाशने चाहिए।विभाग की समन्वयक प्रो अपर्णा गोडबोले ने कहा कि हर खोज की शुरुआत एक प्रश्न से होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी जिज्ञासाओं को शोध और नवाचार की दिशा में आगे बढ़ाने का आह्वान किया।चीफप्रोक्टर प्रो. आशीष अवस्थी ने कहा कि जिज्ञासु विद्यार्थी ही नए विचारों के वाहक बनते हैं। अतिरिक्त प्रोक्टर प्रो. महेन्द्र अग्निहोत्री ने कहा कि प्रश्नों को प्रोत्साहन मिलने पर ही नवाचार आगे बढ़ता है।

SWATANTRA BHARAT

महिलाओं के स्वास्थ्य में योग की भूमिका पर सेमिनार 30 को

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग एवं फैकल्टी ऑफ योग एंड आल्टरनेटिव मेडिसिन के संयुक्त तत्वावधान में इंडियन योग फेडरेशन, यूपी नेचुरोपैथी एंड योग टीचर्स एंड प्रैक्टिशियन एसोसिएशन तथा चेरट केयर एंड रिसर्च सोसाइटी के सहयोग से 'महिलाओं के स्वास्थ्य प्रबंधन में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की भूमिका' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन 30 नवंबर को लखनऊ विश्वविद्यालय में किया जाएगा।सेमिनार के पोस्टर एवं ब्रोशर का विमोचन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो जयप्रकाश सैनी ने किया। फैकल्टी के कोऑर्डिनेटर डॉ अमरजीत यादव ने बताया कि महिला स्वास्थ्य पर केंद्रित यह 22वां राष्ट्रीय सेमिनार होगा।

उन्होंने बताया कि सेमिनार में पांच वैज्ञानिक सत्र आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही योगासनों का वैज्ञानिक प्रदर्शन भी होगा। योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विशेषज्ञों को सम्मानित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस सेमिनार में महिलाओं से संबंधित विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के प्रबंधन में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की भूमिका पर विशेषज्ञ विचार रखेंगे। साथ ही महिलाओं के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

VOICE OF LUCKNOW

'एकेडमिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' योजना को मिली मंजूरी

- राष्ट्रीय रैंकिंग प्राप्त विभागों एवं संबद्ध कॉलेजों को मिलेगी 70% तक पाठ्यक्रम संशोधन व नवाचारी मूल्यांकन की विशेष फ्लेक्सिबिलिटी

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता प्रतिस्पर्धा, नवाचार और शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निर्णय लेते हुए 'एन आई आर एफ रैंकिंग-लिंक्ड एकेडमिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्कीम' शुरू करने का प्रस्ताव तैयार किया है। इस अभिनव योजना का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय के विभागों, संकायों, संस्थानों और संबद्ध महाविद्यालयों द्वारा राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एन आई आर एफ) रैंकिंग में अर्जित उत्कृष्टता को मान्यता देते हुए उन्हें विषय-विशिष्ट अकादमिक फ्लेक्सिबिलिटी प्रदान करना है।

कोई भी संकाय, विभाग, संस्थान या उच्च शिक्षण संस्थान/संबद्ध महाविद्यालय जिसने एन आई आर एफ की संबंधित रैंकिंग सूची में स्थान प्राप्त किया हो अथवा एन आई आर एफ द्वारा प्रकाशित मान्यता प्राप्त रैंकिंग बैंड में जगह बनाई हो, वह 'एकेडमिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में मान्यता प्राप्त करने का पात्र होगा। यह फ्लेक्सिबिलिटी प्रदर्शन-आधारित, विषय-विशिष्ट और समयबद्ध समीक्षा के अधीन होगी। यदि कोई संस्थान आगामी एन आई आर एफ रैंकिंग चक्रों में पात्रता बनाए रखने में असफल रहता है, तो यह मान्यता वापस ली जा सकेगी।

'एकेडमिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में मान्यता प्राप्त संस्थानों को अपने विशिष्ट उत्कृष्टता क्षेत्र में अभूतपूर्व फ्लेक्सिबिलिटी प्राप्त होगी। पाठ्यक्रम संबंधी फ्लेक्सिबिलिटी के तहत ये केंद्र विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में 70 प्रतिशत तक संशोधन करने, नए अंतःविषयक कार्यक्रम विकसित करने, अन्य अग्रणी संस्थानों के साथ संयुक्त कार्यक्रम संचालित करने तथा उभरते व प्रयोगात्मक विशिष्ट पीजी एवं डॉक्टोरल कार्यक्रम तैयार करने के लिए स्वतंत्र होंगे। इसमें ओपन-बुक परीक्षा, केस-आधारित मूल्यांकन, कैपस्टोन प्रोजेक्ट, उद्योग-संबद्ध मूल्यांकन, सतत आंतरिक मूल्यांकन और प्रायोगिक कौशल-आधारित परीक्षण शामिल होंगे।इसके अलावा ये बाहरी विषय विशेषज्ञों को परीक्षक के रूप में आमंत्रित करने और अपने प्रश्न बैंक तैयार करने में भी सक्षम होंगे।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने कहा कि एन आई आर एफ उच्च शिक्षण संस्थानों के शिक्षण, अनुसंधान और समग्र प्रदर्शन का प्रामाणिक राष्ट्रीय पैमाना है। विश्वविद्यालय का विश्वास है कि जो कॉलेज और विभाग गुणवत्ता, शोध संस्कृति और छात्र परिणामों के दम पर राष्ट्रीय पहचान बनाते हैं, उन्हें प्रशासनिक बंधनों से मुक्त कर अकादमिक नवाचार की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए।